

## भाषा शिक्षक अवलोकन प्रपत्र – टर्म 2

जिले का नाम	ब्लाक	संकुल का नाम
शिक्षक का नाम	स्कूल का नाम	कक्षा
बच्चों की संख्या	अवलोकन का दिनांक	अवलोकन समय (कितने मिनट)

नोट: कक्षा अवलोकन, शिक्षक और बच्चों से बातचीत के बाद दिए गए इंडिकेटर के स्तर D, C, B या A पर टिक करें।

शिक्षक प्रदर्शन के सूचक – भाषा (स्तर 1)			
L 1.1. शिक्षक द्वारा कुल शिक्षण समय का कक्षा 3 के लिए 30% और कक्षा 5 के लिए 20% समय मौखिक कार्य में लगाया जाता है।			
A	B	C	D
शिक्षक द्वारा जानकारी के साथ साथ तर्क, चिन्तन और कल्पना आधारित प्रश्नों पर चर्चा की जाती है। चर्चा में बच्चे भी ऐसे सवाल पूछते हैं, एक दूसरे से चर्चा करते हैं, राय देते हैं, राय मांगते हैं।	शिक्षण के दौरान जानकारी, प्रोसेस और तर्क वाले सवालों का प्रयोग शिक्षक द्वारा किया जाता है। कभी-कभी बच्चों को छोटे समूह में चर्चा का मौका दिया जाता है।	पाठ की शुरुआत के पहले 2 से 3 मिनट जानकारी वाले सवालों पर बच्चों से पूछताछ की जाती है। बच्चे 1 या 2 शब्द में उत्तर देते हैं।	शिक्षक द्वारा स्वयं ही पाठ का प्रस्तुतीकरण करते हैं। बच्चों से पाठ्यवस्तु से जुड़े ऐसे सवाल किए जाते हैं जिनका जवाब हां या नहीं होता है।
L 1.2. कक्षा में मौखिक कार्य के दौरान शिक्षक द्वारा बच्चों के परिवेश से जुड़ी वस्तुओं, घटनाओं और प्रक्रियाओं के बारे में खुले सवालों के माध्यम से बच्चों को अपनी कल्पना और तर्क शक्ति का उपयोग करते हुए बहस, बातचीत और अपना मत देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।			
A	B	C	D
शिक्षण के दौरान बच्चों से स्थानीय परिवेश के बारे में जानकारी, प्रोसेस और कल्पना वाले सवालों के माध्यम से चर्चा की जाती है। पाठ से जुड़ाव के लिए और पाठ के अन्त में बच्चों से खुले सवालों पर चर्चा होती है, उनको राय देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।	पाठ शिक्षण से पूर्व बच्चों से उनके स्थानीय परिवेश की वस्तुओं, घटनाओं और प्रोसेस के बारे में कुछ सवालों के माध्यम से चर्चा की जाती है। पाठ के अन्त में दिए गए मौखिक अभ्यासों पर कार्य किया जाता है।	स्थानीय परिवेश के बारे में जानकारी वाले सवाल पूछे जाते हैं। पाठ शिक्षण से पहले बच्चों से पाठ के बारे में कुछ बातचीत की जाती है।	शिक्षक द्वारा अक्सर हां या ना उत्तर वाले सवाल पूछे जाते हैं। ये सवाल जवाब भी पाठ से जुड़कर ही होते हैं। पाठ से जुड़े अभ्यासों पर लिखित कार्य कराया जाता है।
L 1.3. स्कूली भाषा के उपयोग से पूर्व शिक्षक द्वारा बच्चों को उनकी घरेलू भाषा में मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाता है – क्रमशः स्थानीय भाषा से मानक भाषा के प्रयोग की ओर बढ़ना।			
A	B	C	D
शिक्षक कक्षा में मानक भाषा के साथ साथ आवश्यकतानुसार स्थानीय भाषा का प्रयोग करते हैं तथा बच्चों को अपनी भाषा में बात करने, लिखने की स्वतंत्रता देते हैं।	शिक्षक कठिन अंशों को स्थानीय भाषा के प्रयोग द्वारा स्पष्ट करते हैं। जरूरत के अनुसार स्थानीय उदाहरण देते हैं।	शिक्षण में मानक भाषा के साथ साथ स्थानीय भाषा का प्रयोग होता है। बच्चों को स्थानीय भाषा के प्रयोग पर रोक नहीं है।	शिक्षक द्वारा कक्षा में घरेलू भाषा के प्रयोग के अवसर नहीं दिए जाते हैं। कक्षा में पूर्णतः मानक भाषा का ही प्रयोग किया जाता है।
L 1.4. बच्चों में पठन-पाठन को आनन्ददायी बनाने के लिए शिक्षक द्वारा नई पाठ्यसामग्री का रोचक तरीकों से परिचय कराया जाता है जिससे बच्चे स्वयं पढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।			
A	B	C	D
बच्चों को पुस्तकालय के प्रयोग का नियमित मौका मिलता है। नई पुस्तकों को डिस्प्ले किया जाता है। उनके बारे में रोचक बातें साझा की जाती हैं, अन्य किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।	बच्चों को नई-नई पुस्तकों का परिचय रोचकता भरे विविध तरीकों से कराया जाता है। पढ़ी गई किताबों के बारे में उनसे पूछताछ की जाती है।	पाठ्यपुस्तक के साथ-साथ बच्चों को कभी-कभार पुस्तकालय की अन्य पुस्तकें भी पढ़ने के लिए उपलब्ध कराई जाती हैं।	पाठ्यपुस्तक के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की पाठ्यसामग्री का उपयोग नहीं किया जाता है। बच्चों को पाठ पढ़कर याद करने के लिए कहा जाता है।
L 1.5. बच्चों द्वारा पठित सामग्री पर शिक्षक जानकारी और तर्क आधारित सवाल पूछते हैं, बच्चों से चर्चा और बातचीत करते हैं।			
A	B	C	D
पढ़ी गई किताबों के बारे में शिक्षक द्वारा कक्षा में तर्क और कल्पना के सवालों पर बहस, चर्चा और विवज किया जाता है। बच्चे एक दूसरे से अपनी पढ़ी गई पुस्तकों के बारे में साझा करते हैं।	पढ़ी गई किताबों के बारे में शिक्षक ऐसे सवाल पूछते हैं जिसमें बच्चों को तर्क और कल्पना के प्रयोग का मौका होता है।	बच्चों से पढ़ी गई किताबों के बारे में जानकारी वाले सवाल पूछ जाते हैं।	बच्चों को कभी-कभार पुस्तकालय जाने का मौका मिलता है। वे अपनी पसन्द से किताबें चुनकर पढ़ते हैं।

शिक्षक प्रदर्शन के सूचक – भाषा (स्तर 2)			
L 2.1. मौखिक कार्य के दौरान शिक्षक बच्चों को परिवेशीय वस्तुओं, घटनाओं और प्रक्रियाओं के बारे जानने के लिए एक दूसरे से, अन्य शिक्षकों, परिवार या समुदाय से जानकारी वाले सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।			
A	B	C	D
घर, परिवार से जुड़ी वस्तुओं, घटनाओं, प्रक्रियाओं के बारे में बच्चे विविध प्रकार के सवाल बनाते हैं और इनके बारे में अन्य बच्चों, शिक्षकों से पूछताछ करते हैं।	बच्चों के घर, परिवार से जुड़ी वस्तुओं, घटनाओं, प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षक और बच्चे मिलकर सवालों के माध्यम से चर्चा करते हैं।	शिक्षण के दौरान बच्चों से घर, परिवार से जुड़ी वस्तुओं, घटनाओं, प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षक द्वारा सवाल पूछे जाते हैं।	बच्चों को पाठ्यपुस्तक से जुड़े सवालों को याद करने पर जोर दिया जाता है। घर के लिए भी ऐसे ही कार्य दिए जाते हैं।
L 2.2. बच्चों द्वारा पठित सामग्री पर शिक्षक उनसे इस प्रकार के सवालों पर चर्चा करते हैं जिसमें बच्चों को अपनी कल्पना का प्रयोग करते हुए कारण सहित अपना मत या नजरिया व्यक्त करना होता है।			
A	B	C	D
बच्चों द्वारा पठित सामग्री पर तर्क और कल्पना वाले सवालों पर चर्चा होती है। उनसे राय व राय के पीछे कारण पूछे जाते हैं।	बच्चों द्वारा पठित सामग्री राय मांगी जाती है। उनसे कल्पना आधारित सवालों पर चर्चा की जाती है।	बच्चों द्वारा पठित सामग्री पर ऐसे सवाल पूछे जाते हैं, जिनका निश्चित उत्तर उस पठित सामग्री में होता है।	बच्चों द्वारा पठित सामग्री पर ऐसे सवाल पूछे जाते हैं जिनका उत्तर हां, नहीं या एक शब्द का होता है।
L 2.3. बच्चों द्वारा पठित सामग्री पर शिक्षक बच्चों से जानकारी, तर्क और कल्पना आधारित सवालों का उत्तर लिखित रूप से देने का मौका प्रदान करते हैं।			
A	B	C	D
पठित सामग्री पर जानकारी, कल्पना और तर्क वाले सवालों पर लिखित उत्तर पर एक दूसरे से राय मांगी जाती है और सुधार किया जाता है।	पठित सामग्री पर जानकारी, कल्पना और तर्क आधारित सवालों पर लिखित कार्य कराया जाता है।	पठित सामग्री पर जानकारी आधारित सवालों का जवाब लिखकर देने का अभ्यास कराया जाता है।	पठित सामग्री पर विविध प्रकार के सवालों पर चर्चा की जाती है। एक दूसरे से साझा करने का मौका दिया जाता है।
L 2.4. शिक्षक बच्चों को किसी टापिक पर अपने मन से सोचकर वर्णन, विवरण, मत या कारण लिखने का मौका देते हैं।			
A	B	C	D
दिए गए टापिक पर बच्चे अपने मन से सोचकर लिखते हैं, एक दूसरे को दिखाकर राय मांगते हैं और स्वयं ही अपने लेखन में सुधार करते हैं।	दिए गए टापिक पर बच्चों से अपने मन से सोचकर लिखने का मौका दिया जाता है। बच्चों के लिखे हुए को प्रस्तुत कराया जाता है।	दिए गए टापिक पर निर्धारित रूपरेखा के अनुसार बच्चों से लेखन कार्य कराया जाता है। और रूपरेखा को याद करने को कहा जाता है।	किसी टापिक पर शिक्षक बच्चों को स्वयं लिखवाकर कापी करने और उसे याद करने को कहते हैं।
शिक्षक प्रदर्शन के सूचक – भाषा (स्तर 3)			
L 3.1. शिक्षक बच्चों को एक दूसरे, अन्य शिक्षकों से या स्कूल के बाहर अन्य लोगों से पूछने के लिए विविध प्रकार के सवाल लिखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और इन सवालों से प्राप्त जानकारी का संकलन किया जाता है।			
A	B	C	D
बच्चों द्वारा किसी टापिक पर बनाए गए सवालों का उत्तर अन्य लोगों से पता करने और प्राप्त उत्तर को लिखकर एक दूसरे से साझा कराया जाता है।	बच्चों से किसी टापिक पर विविध प्रकार के सवाल बनाने का लिखित अभ्यास कराया जाता है। बनाए गए सवालों पर अन्य से पूछताछ करने का मौका दिया जाता है।	बच्चों से किसी टापिक पर विविध प्रकार के सवाल पूछने का मौका दिया जाता है।	बच्चों से प्रश्नोत्तर लिखवाया और उसे रटवाया जाता है।
L 3.2. शिक्षक बच्चों को विविध विधाओं (कविता, कहानी, वर्णन, पत्र आदि) के साथ विविध अभ्यासों में संलग्न रखते हैं। जैसे- कहानी की घटनाओं का क्रम देना, कविता की लाईनों को सही क्रम में लगाना, भावार्थ या सारांश लिखना, कविता या कहानी को आगे बढ़ाना।			
A	B	C	D
पुस्तक में दिए गए विविध विधाओं के बारे कुछ अलग से अभ्यास कराए जाते हैं, जैसे- आगे बढ़ाना, सारांश लिखना, क्रम देना, भावार्थ लिखना। विधागत खूबियों को ध्यान में रखते हुए लेखन करना।	पुस्तक में दिए गए विविध विधाओं के बारे कुछ अलग से अभ्यास कराए जाते हैं, जैसे- आगे बढ़ाना, सारांश लिखना, क्रम देना, भावार्थ लिखना।	पुस्तक में दिए गए विविध विधाओं के बारे कुछ अलग से अभ्यास कराए जाते हैं, जैसे- आगे बढ़ाना, सारांश लिखना।	पाठ्यपुस्तक में दिए गए विविध विधाओं के बारे में प्रश्नोत्तर लिखवाकर याद कराया जाता है।

विशेष टिप्पणी:

अवलोकनकर्ता का हस्ताक्षर, पूरा नाम व पद